

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Sunday, 18 October 2026

डॉ. संध्या खेडेकर : नवाचार, तकनीक और महिला सशक्तिकरण के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में स्थापित की विशिष्ट पहचान

Sanket Morankar

Published on 16 Oct 2026



शिक्षा, नवाचार और सामाजिक योगदान का प्रेरणादायी संगम

शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और भविष्य की पीढ़ियों को दिशा देने का सशक्त आधार भी है। इसी विचार को केंद्र में रखकर **डॉ. संध्या खेडेकर** उच्च शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण, शैक्षणिक नेतृत्व, शोध, तकनीकी नवाचार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में योगदान दे रही हैं। एक शिक्षाविद्, शोधकर्ता, लेखिका, प्रशिक्षक और सामाजिक योगदानकर्ता के रूप में उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में बहुआयामी अनुभव प्राप्त किया है।

वर्तमान में वे **Gokhale Education Society's SMRK BK AK Mahila Mahavidyalaya, Nashik, Maharashtra** में प्राचार्य के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले वे Gokhale Education Society's College of Education, Sangamner में भी प्राचार्य के रूप में कार्य कर चुकी हैं। उनका व्यावसायिक अनुभव अध्यापन, शैक्षणिक प्रशासन, शिक्षक प्रशिक्षण, अनुसंधान और शैक्षणिक नवाचार जैसे विभिन्न क्षेत्रों तक फैला हुआ है।

उच्च शिक्षा और शैक्षणिक नेतृत्व में मजबूत आधार

डॉ. संध्या खेडेकर ने अंग्रेजी विषय में M.A., M.Ed., शिक्षा विषय में SET तथा मुंबई विश्वविद्यालय से शिक्षा में Ph.D. की उपाधि प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त, वे अमेरिका स्थित Eudoxia Research University में पोस्ट-डॉक्टोरल शोध कर रही हैं।

उन्होंने सहायक प्राध्यापक, व्याख्याता और प्राचार्य सहित विभिन्न शैक्षणिक भूमिकाओं में कार्य किया है। वे Savitribai Phule Pune University की मान्यता प्राप्त Ph.D. मार्गदर्शक हैं और NAAC Peer Team Assessor के रूप में भी अपनी भूमिका निभा चुकी हैं।

शैक्षणिक प्रशासन, पाठ्यक्रम विकास, गुणवत्ता आश्वासन, शिक्षक प्रशिक्षण और संस्थागत विकास में उनका अनुभव शिक्षा व्यवस्था

को अधिक प्रभावी और समावेशी बनाने की दिशा में उनके प्रयासों को दर्शाता है।

डिजिटल शिक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेष कार्य

वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। डॉ. खेडेकर ने डिजिटल शिक्षण, AI आधारित शैक्षणिक साधनों, शोध पद्धतियों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के कार्यान्वयन जैसे विषयों पर काम किया है।

COVID-19 महामारी के दौरान जब शैक्षणिक संस्थानों को ऑनलाइन शिक्षण की ओर तेजी से बढ़ना पड़ा, तब उन्होंने डिजिटल साधनों और ऑनलाइन अध्यापन पद्धतियों के संबंध में शिक्षक प्रशिक्षण में योगदान दिया। उनके संक्षिप्त प्रोफाइल के अनुसार, उन्होंने **24 से अधिक देशों में 12,000 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षण** प्रदान किया।

वे समावेशी कक्षाओं में ICT, शिक्षा एवं शोध में AI उपकरणों, डिजिटल अध्यापन और Instructional Systems Design जैसे विषयों से संबंधित ई-कंटेंट विकसित करने में भी योगदान दे चुकी हैं। उनका कार्य शिक्षकों को बदलती शैक्षणिक आवश्यकताओं और नई तकनीकों के अनुरूप तैयार करने पर केंद्रित है।

शोध और तकनीकी नवाचार में उल्लेखनीय योगदान

डॉ. संध्या खेडेकर का योगदान केवल अध्यापन और प्रशासन तक सीमित नहीं है। उनके प्रोफाइल के अनुसार, उनके नाम पर दो प्रकाशित पेटेंट हैं। इनमें से एक कर्मचारियों के अशाब्दिक संवाद के मशीन लर्निंग आधारित विश्लेषण से संबंधित है, जबकि दूसरा संसाधनों की निगरानी और आपदाओं की रोकथाम के लिए IoT-सक्षम प्रणाली से जुड़ा है।

शोध के क्षेत्र में भी उन्होंने महत्वपूर्ण कार्य किया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उनके **92 से अधिक शोध लेख** राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और राज्यस्तरीय सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों में **125 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुतियाँ** दी हैं।

उनके लेखन और शैक्षणिक प्रकाशनों में ICT, परियोजना-आधारित शिक्षा, डिजिटल शिक्षण, शैक्षणिक नेतृत्व, NEP 2020 और शिक्षा में AI के एकीकरण जैसे विषय शामिल हैं। वे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मंचों पर संसाधन व्यक्ति, मुख्य वक्ता, अध्यक्ष और प्रशिक्षक के रूप में भी योगदान दे चुकी हैं।

महिला सशक्तिकरण और आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए प्रतिबद्धता

डॉ. खेडेकर के कार्य का एक महत्वपूर्ण पक्ष महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता है। वे कराटे ब्लैक बेल्ट धारक और मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षक हैं। इस अनुभव के माध्यम से उन्होंने महाराष्ट्र में लड़कियों और महिलाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

उनके संक्षिप्त बायोडाटा के अनुसार, उन्होंने महाराष्ट्र में **20,000 से अधिक लड़कियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण** दिया है। यह पहल महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा के प्रति जागरूकता, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उनके प्रयासों को दर्शाती है।

शिक्षा के साथ आत्मरक्षा और व्यक्तित्व विकास को महत्व देना उनके व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। उनका कार्य यह संदेश देता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अकादमिक उपलब्धियाँ प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व और जीवनोपयोगी कौशल विकसित करना भी है।

राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त सम्मान और उपलब्धियाँ

शिक्षा, नेतृत्व, शोध, नवाचार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में डॉ. संध्या खेडेकर के योगदान के लिए उन्हें विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया गया है। उनके शैक्षणिक प्रोफाइल में निम्नलिखित पुरस्कारों का उल्लेख है:

- Dewang Mehta National Education Leadership Award
- 50 Most Influential Principals of India Award

- Teaching Excellence Award
- Teacher Innovation Award
- Innovative Principal of the Year National Award
- IQAC Quality Excellence Award
- Sharu Rangnekar Memorial National Award
- Adarsh Nirbhaya Gaurav Puraskar

इन सम्मानों के साथ उनका शैक्षणिक और सामाजिक कार्य शिक्षा क्षेत्र में उनके बहुआयामी योगदान को रेखांकित करता है।

मूल्य-आधारित और तकनीक-सक्षम शिक्षा की दृष्टि

डॉ. संध्या खेडेकर का मानना है कि शिक्षा को नवाचारपूर्ण, समावेशी, तकनीक-सक्षम और सामाजिक आवश्यकताओं से जुड़ा होना चाहिए। उनके शैक्षणिक दृष्टिकोण में विद्यार्थियों और शिक्षकों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, कौशल विकास और आजीवन सीखने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है।

उनका उद्देश्य ऐसी शैक्षणिक व्यवस्था के विकास में योगदान देना है, जो विद्यार्थियों को केवल परीक्षाओं के लिए ही नहीं, बल्कि जीवन, रोजगार, नेतृत्व और जिम्मेदार नागरिकता के लिए भी तैयार करे। तकनीक, शोध, मानवीय मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी का समन्वय उनके कार्य की प्रमुख विशेषताओं में शामिल है।

डॉ. संध्या खेडेकर की शैक्षणिक यात्रा उच्च शिक्षा, संस्थागत नेतृत्व, शोध, तकनीकी नवाचार और महिला सशक्तिकरण के बीच सार्थक समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करती है। शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, शोध और आत्मरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से उन्होंने विभिन्न स्तरों पर योगदान दिया है।

Gokhale Education Society's SMRK BK AK Mahila Mahavidyalaya, Nashik की प्राचार्य के रूप में उनकी भूमिका और शिक्षा के प्रति उनका नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण शैक्षणिक विकास की दिशा में उनके निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। ज्ञान, तकनीक, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व को साथ लेकर आगे बढ़ने वाली डॉ. संध्या खेडेकर की कार्ययात्रा शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रेरणास्रोत है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.